(ग) उक्त प्रस्ताव पर अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

गुजरात में डाकघरों का दर्जा बढ़ाया जाना

2385. **श्री गोपाल सिंह जी० सोलंकी:** क्या **संचार मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार द्वारा गुजरात में बड़ोदरा, सूरत, पंचमहल और भरूच जिलों में स्थित कुछ डाकघरों का दर्जा बढ़ाया जा रहा है;

(ख) यदि हां, तो उनका स्थान-वार ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

संचार मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सुखराम): (क) जी हां। बड़ोदरा जिले को छोड़कर अन्य स्थानों पर डाकघरों का दर्जा बढ़ाया जाना है।

(ख) और (ग) निम्नलिखित प्रत्येक डाकघर के सामने उल्लिखित वर्ष के दौरान, दर्जा बढ़ाये जाने की मंजूरी दी गई। तथापि, उपयुक्त आवास के अभाव में इन डाकघरों का दर्जा नहीं बढ़ाया जा सका:

डाकघर का नाम	जिला	वर्ष
(i) अलथान	सूरत	1991-92
(ii) घोघम्बा	पंचमहल	1993-94
(iii) मलवान	पंचमहल	1993-94

उपयुक्त आवास उपलब्ध होते ही इन डाकघरों का दर्जा बढ़ा दिया जाएगा।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय टेलीफोन सेवाओं की बदतर स्थिति

2386. **श्री अनन्तराम जायसवाल:**
श्री सत्य प्रकाश मालवीय:

क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड की ट्रंक बुकिंग नम्बर 180, ट्रंक सहायता नम्बर 181 और टेलीफोन नम्बर 197 पर पूछ-ताछ सेवाओं जैसी सेवाओं सहित बहुत सी राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय टेलीफोन सेवाओं में अत्यधिक अव्यवस्था है, और इन सेवाओं की बहुत ही खराब स्थिति है जिसके परिणामस्वरूप लाखों व्यक्तियों की समस्याएं बढ़ती जा रही हैं, और

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं और सरकार टेलीफोन उपभोक्ताओं को नित्य प्रति पेश आ रही सभी बाधाओं को दूर करके अंतर्राष्ट्रीय ट्रंक सेवाओं और राष्ट्रीय टेलीफोन को सुचारू रूप से चलाने के लिए क्या त्वरित कार्रवाई करने पर विचार कर रही है?

संचार मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सुखराम: (क) राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय ट्रंक एक्सचेंजों द्वारा प्राप्त सेवाएं तथा विशेष सेवाएं संतोषजनक हैं तथा राष्ट्रीय ट्रंक और अन्तर्राष्ट्रीय ट्रंक की औसतन दक्षता क्रमशः 75 प्रतिशत तथा 85 प्रतिशत है। 180, 181, 197 सेवाओं की विभाग द्वारा नियमित निगरानी की जाती है। मानक 10 सैकेण्ड के भीतर काल मिलने के दिसम्बर, 94, जनवरी 95 तथा फरवरी 95 के दक्षता आंकड़े विवरण में दिए गए हैं। (नीचे देखिए)

(ख) एम टी एन एल, दिल्ली, ट्रंक एक्सचेंजों के कार्यकरण में सुधार करने के लिए कम्प्यूटरीकृत डिजिटल ट्रंक एक्सचेंज शुरू करने की योजना बना रहा है। इसके अतिरिक्त डायरेक्टरी पूछताछ कम्प्यूटर प्रणाली के स्थान पर उच्चस्तरीय प्रणाली लगाने का कार्य भी शुरू किया गया है।

विवरण

काल सफलता कर-आटोमैनुअल एक्सचैंज-तुलनात्मक ब्यौरा

केन्द्र	दिसम्बर, 1994		जनवरी, 1995		फरवरी, 1995	
	सफलता कुल	मानक समय के भीतर काल मिलने का प्रतिशत	सफलता कुल	मानक समय के भीतर काल मिलने का प्रतिशत	सफलता कुल	मानक समय के भीतर काल मिलने का प्रतिशत
180	117/140 84%	91	152/180 84%	83	154/180 85%	86
181	122/140 87%	86	140/180 78%	79	117/170 69%	70
197	376/660 57%	45	184/305 60%	84	463/740 63%	63

Local call facility between Sonepat and Delhi

2387. SHRI GOVINDRAO ADKI: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether Government have received any representations for connecting Sonepet in Haryana to Delhi through local telephone calls in the same way as the other cities like Faridabad, Gurgaon and Ballabgarh are connected taking into account its prime importance in the NCR.

(b) if so, what action has been taken thereon;

(c) whether it is a fact that such a facility was proposed to be extended to Sonepat, which was withheld at the last minute and transferred to Gurgaon; and

(d) by when the residents of Sonepat are likely to be provided this facility?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI SUKH RAM): (a) Yes, Sir.

(b) Proposal has been examined in Ballabgarh are connected to Delhi on Group Dialling scheme on a 180 seconds pulse basis. Sonepat is connected on STD media on 36 seconds pulse as the sonepat telephone system is not adjacent to system of Delhi whereas those of Faridabad, Gurgaon and Ballabgarh are.

(c) No, Sir.

lvf (d) Question does not arise in view of para (b) above.

हिमाचल प्रदेश में डाकघर खोला जाना

2388. **श्री महेश्वर सिंह:** क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 1993-94 के दौरान देश के विभिन्न राज्यों में डाकघर खोलने हेतु क्या लक्ष्य रखा गया था और इसी अवधि के दौरान कितने डाकघर खोले गये और वे कहां-कहां स्थित हैं;

(ख) संसद सदस्यों और अन्य प्रतिनिधियों ने